आभार

शोध की प्रक्रिया स्वयं में एक जटिल प्रक्रिया है तथा सूचनाओं के संग्रहण नियंत्रण व्यवस्थाबद्धीकरण तथा वर्णनात्मक एवं आनुभविक पद्धति के समीक्षात्मक विश्लेषण के विभिन्न चरणों से होती हुई वह अपने अंतिम सोपान तक पहुँचती है । इस प्रक्रिया को अकेले शोधार्थी द्वारा संपन्न नहीं किया जा सकता विद्वत समाज ग्रंथालयों एवं शुभचिंतकों का भी उसमें पूर्ण योगदान होता है, इन सबका समुचित सहयोग मिलने के कारण मैं स्वयं को भाग्यशाली समझती हूँ। मेरे इस शोधकार्य को पूर्ण करने में सबसे अधिक योगदान मेरे शोध निर्देशक डॉ राजीव कुमार सिंह असिस्टेंट प्रोफ़ेसर राजनीति विज्ञान विभाग हरियाणा केन्द्रीय विश्व विद्यालय का रहा । जिन्होंने प्रत्येक परिस्थिति में मुझे कर्मपथ पर आरूढ़ रहने की प्रेरणा दी । उनकी प्रेरणा एवं अमूल्य सहयोग से ही मैं अपना शोध कार्य पूर्ण कर पायी हूँ । उन्होंने अपनी समय सीमा से परे जाकर भी मेरे शोधकार्य को सार्थक दिशा भी दी । मैं उनके इस सहयोग एवम् प्रोत्साहन के लिए ह्रदय से आभारी एवं कृतज्ञ हूँ । इसी क्रम मैं अपने राजनीति विज्ञान विभाग प्रमुख श्रीमान डॉ चंचल शर्मा एवं डॉ राघवेन्द्र प्रताप सिंह की आभारी हूँ । जिन्होंने आवश्यकता पड़ने पर मेरे शोध कार्य को पूर्ण करने में सहयोग दिया । साथ ही मेरे सर्वेक्षण कार्य में सहयोग प्रदान करने हेतु अपने मित्र रवि कुमार (आर.के) की भी आभारी हूँ । इसके साथ ही में अपने संस्थान की पी.एच.डी. शोधार्थी स्वाती दी एवं पूर्णिमा दी का भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने अपने अनुभव से मेरा उत्साहवर्धन किया ।

पुज्यनीय माता-पिता के प्रति विशेष भावांजलि जिन्होंने मुझे मानवीय संवेदना के संस्कार दिए। साथ ही आभारी हूँ अपने भाई राहुल एवं बहिन लक्ष्मी एवं निशा की जो मेरे प्रेरणा स्त्रोत रहे। उनका निरंतर मिलने वाला सहयोग मुझे अध्ययन के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता रहा।

इसके साथ ही में मैं अपने सहशोधार्थी आशुतोष एवं अमित के सहयोग के लिए भी उनकी ऋणी हूँ।

अंत में मैं अपना शोध प्रबंध इस एवं विशवास के साथ प्रस्तुत कर रही हूँ कि मेरे विद्वान पारिक्षक कुछ हार्दिक निकटता के साथ दिग्दर्शन करने की अनुकम्पा करेंगे तथा मेरे इस अथक प्रयास को सफल बनायेंगे। मैं आशा करती हूँ कि भविष्य में यह शोधकार्य विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

शोधार्थी

कल्पना शुक्ला